BANS-183

विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस)

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

कला / विज्ञान स्नातक

(बीएजी / ऑनर्स / मेजर)

(कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम)

सत्रीय–कार्य

जुलाई 2024– जनवरी 2025 सत्र

पाठ्यक्रम कोड : बीएएनएस 183

पर्यटन मानवविज्ञान

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम संदर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन के दो भाग होते हैंः i) सत्रीय कार्यों के माध्यम से सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 **अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय** कार्य **(टी.एम.ए.)** करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बीएएनसी–183: पर्यटन मानवविज्ञान** नामक कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य (असाइनमेंट) सम्मिलित है जो 4 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 2 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत अधिभार है।

सत्रीय कार्य- I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य श्रेणी के प्रश्न (MCQ) और लघु श्रेणी के प्रश्न (SCQ) हैं। मध्य श्रेणी प्रश्नों के लिए आपको पहले तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा और फिर संक्षिप्त तरीके से उत्तर लिखना होगा। इनका प्रयोग अवधारणाओं और प्रक्रियाओं की भिन्नता, तुलना और इसके विपरीत या स्पष्ट समझ के लिए आपकी क्षमता का परीक्षण करने के लिए होता है। लघु श्रेणी के प्रश्न व्यक्तियों, लेखन, घटनाओं या अवधारणाओं और प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/ सटीक जानकारी को संक्षेप में याद करने के आपके कौशल को बेहतर बनाने के लिए हैं।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम संदर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवाय है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर किसी विशेष खंड के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा और आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम संदर्शिका में उल्लेख किया गया है, आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए निर्धारित समय के भीतर सभी हस्तलिखित सत्रीय कार्य जमा करने होंगे।

पूर्ण किए गए असाइमेंट को जमा करनाः

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	जमा करने का स्थान
जुलाई 2024 में नामांकित छात्रों के लिए	31 मार्च 2025	अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को
जनवरी 2025 में नामांकित छात्रों के लिए	30 सितंबर 2025	

अपना सत्रीय कार्य जमा करने के लिए अपने अध्ययन केंद्र पर जाएँ और जमा किए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद प्राप्त करें और उसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक जिरॉक्स प्रति (फोटोकॉपी) अपने पास रखें।

मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र आपको सत्रीय कार्य वापस कर देगा। कृपया इस पर जोर दें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, को भेजने होते हैं।

हम अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में उल्लिखित प्रत्येक श्रेणी के दिशा–निर्देशों के अनुसार देंगे। निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना आपके लिए उपयोगी होगाः

1) योजना बनानाः सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़ें। उन इकाइयों को देखें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में पुनर्व्यवस्थित करें।

2) संगठनः अपने उत्तर की एक कच्ची रूपरेखा तैयार करने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक बनें। अपने परिचय और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें।

सुनिश्चित करें कि आपका उत्तरः

ए) तार्किक और सुसंगत है;

बी) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध है, और

ग) आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही लिखा गया है।

3) प्रस्तुतिकरणः एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय

कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** उन बिंदुओं को रेखांकित कर सकते हैं जिन पर आप जोर देना चाहते हैं। सुनिश्चित करें कि उत्तर निर्धारित शब्द सीमा के भीतर है।

शुभकामनाओं के साथ !

मानव विज्ञान संकाय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ , नई दिल्ली

BANS 183: पर्यटन मानवविज्ञान

अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय–कार्य (TMA)

कोर्स कोड: बीएएनएस 183

असाइनमेंट कोड: बीएएनएस 183/ASST/TMA/ जुलाई 2024 और जनवरी 2025

कुल अंक: 100

सत्रीय कार्य में दो अनुभाग हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 500 शब्दों में उत्तर दीजिए। **20X 2=40**

क. मानवविज्ञान में पर्यटन के अध्ययन के इतिहास पर चर्चा कीजिए।

ख. उपयुक्त उदाहरणों के साथ मूर्त और अमूर्त विरासत को परिभाषित कीजिए।

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। (लघु टिप्पणियाँ लिखें) **10X3=30**

क. उपयुक्त उदाहरणों के साथ सांस्कृतिक विरासत के रूप में संग्रहालयों पर एक नोट लिखें।

ख. ताजमहल और भीमबेटका की गुफाओं के संरक्षण के लिए उठाए गए कदमों पर चर्चा कीजिए।

ग. इकाई 5 में चर्चित उदाहरण के साथ पर्यटन में वस्तुकरण पर चर्चा कीजिए।

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। **5X6=30**

क. पर्यटक/अतिथि

ख. स्थानीय पर्यावरण बनाम पर्यटक स्थल

ग. इकोटूरिज्म

घ. सतत पर्यटन

ङ. फील्ड साइट/पर्यटक स्थल

च. मूल निवासी/मेजबान